शुक्रवार
15 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4
सर्दियों में सिरदर्द ने कर रखा है परेशान, तो आज़माएं ये देसी नुस्खे

पृष्ठ 5
'फाइटर' में पहली बार ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्क्रीन शेयर कर रहे हैं

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 301
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

मुट्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं।

– महात्मा गांधी

दून वैली मेल

आर.एन.आई.- 59626/94
सांध्य दैनिक
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कार चोरी का खुलासा, डिप्टी जेलर निकला घटना का मास्टरमाइंड

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कार चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने चोरी की गयी कार को बरामद कर लिया है। घटना का मास्टर माइंड सैन्ट्रल जेल अम्बाला का डिप्टी जेलर है जिसने अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ इंश्योरेंस क्लैम करने को लेकर इस वारदात को अंजाम दिया था। हालांकि पुलिस अभी मामले की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार बीती 3 दिसम्बर को पवन कुमार निवासी गांव गंगाणा तहसील गोहाना जिला सोनीपत हरियाणा द्वारा थाना भगवानपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि वह अपने रिश्तेदार यश कुमार की कार लेकर अपने ड्राइवर सुमित के साथ एक दिसम्बर को हरिद्वार आया था। देर होने के कारण हमने होटल फ्लोरा भगवानपुर में रात रूकने के लिए कमरा बुक कराया और कार को होटल के बाहर पार्क कर आराम करने होटल के कमरे मे चले गये। सुबह जब हम होटल के बाहर आये तो कार गायब मिली। जिसे अज्ञात चोर द्वारा

❑इंश्योरेंस क्लैम करने को लेकर दिया घटना को अंजाम, जांच जारी

चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी।

जांच के दौरान सामने आया कि घटना के समय पीड़ित का ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति घटना स्थल पर ही मौजूद थे। जिसके आधार पर विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान पुलिस ने दुष्यंत पुत्र ताराचंद निवासी ग्राम किशनपुरा थाना पिपली कुरुक्षेत्र हरियाणा का नाम प्रकाश मे आया था से सख्ती से पूछताछ की गयी तो दुष्यंत द्वारा बताया गया कि डिप्टी जेलर सैन्ट्रल जेल अम्बाला यश कुमार हुड्डा द्वारा मुझे व अपने रिश्तेदार सुमित राणा को कहा गया था कि इस गाड़ी की उतराखण्ड मे चोरी की एफआईआर करवानी है। घटना

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

दिलाराम बाजार में लगी आग, रेस्टोरेंट सहित तीन दुकानें जलकर हुई खाक

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजपुर रोड स्थित दिलाराम बाजार की तीन दुकानों में आज दोपहर अचानक आग लगने से अफरा तफरी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व दमकल विभाग ने मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों की पुलिस जांच कर रही है जबकि आग से लाखों का नुकसान होने की बात कही जा रही है।

जानकारी के अनुसार आज दोपहर दिलाराम बाजार में वन मुख्यालय के बाहर स्थित लेमन चिली नामक रेस्टोरेंट अचानक आग लग गयी। जिसने अगल-बगल की दो अन्य दुकानों को भी चपेट में ले लिया। अचानक लगी आग देखकर वहां मौजूद लोगों में अफरा तफरी फैल गयी। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस व दमकल विभाग ने

मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक सारा सामान जल चुका था। बताया जा रहा है कि यह तीनों दुकानें टीन के खोखों में हैं। सूचना मिलने पर दिलाराम स्थित जल संस्थान परिसर और गांधी रोड स्थित फायर स्टेशन से फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचे। काफी देर जूझ कर फायर कर्मियों ने आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक सारा सामान खाक हो चुका था। पुलिस अब आग लगने के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

भजनलाल शर्मा ने ली राजस्थान के नए सीएम के रूप में शपथ

जयपुर। भजनलाल शर्मा ने राजस्थान एक सीएम के रूप में शपथ ले ली है। जयपुर के अलबर्ट हॉल में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हुए।

भजनलाल शर्मा के साथ-साथ दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा ने राजस्थान के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। अलबर्ट हॉल जाने वाले सभी रास्तों को पोस्टर और बैनर से सजाया गया था। हर तरफ बीजेपी नेताओं के कटआउट लगे हैं। भजनलाल शर्मा कांग्रेस के पुष्पेंद्र भारद्वाज को सांगानेर विधानसभा सीट पर 48081 वोटों से हरा कर पहली बार विधायक बने हैं। इन्हें बीजेपी संगठन का अहम चेहरा माना जाता है। शर्मा पार्टी के संगठन मंत्री का दायित्व निभा चुके हैं। इन्हें केंद्रीय मंत्री अमित शाह का करीबी माना जाता है। भरतपुर के रहनेवाले भजनलाल शर्म की उम्र 56 साल है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में कोर्ट कमिश्नर सर्वे पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने किया इंकार

नई दिल्ली। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शाही ईदगाह परिसर के कोर्ट सर्वे के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

विदित हो कि कल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शाही ईदगाह परिसर के कोर्ट सर्वे की अनुमति दी थी। इसी संदर्भ में दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह हाईकोर्ट के सर्वे के आदेश पर कोई रोक नहीं लगा सकता। हां, सर्वे में अगर कुछ बातें निकलकर आती हैं तो फिर उस पर विचार किया जा सकता है। इससे पहले कल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटी शाही ईदगाह मस्जिद के

परिसर का सर्वेक्षण करने के लिए अदालत की निगरानी में एडवोकेट कमिश्नर या कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने की मांग करने वाली याचिका मंजूर कर ली। अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 18 दिसंबर तय की है। 18 दिसंबर को कोर्ट कमिश्नर में कितने मेंबर होंगे, किस तरह सर्वे किया जाएगा, इसकी रूप रेखा तय होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट में यह याचिका भगवान श्री कृष्ण विराजमान और सात अन्य लोगों द्वारा अधिवक्ता हरिशंकर जैन, विष्णु शंकर जैन, प्रभाष पांडेय और देवकी नंदन के जरिए दायर की गई थी जिसमें दावा किया गया है कि भगवान कृष्ण की जन्मस्थली उस मस्जिद के नीचे मौजूद है और ऐसे कई संकेत हैं जो यह साबित करते हैं कि वह मस्जिद एक हिंदू मंदिर है।

अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के मुताबिक, इस याचिका में कहा गया है कि वहां कमल के आकार का एक स्तंभ है जोकि हिंदू मंदिरों की एक विशेषता है। इसमें यह भी कहा गया है कि वहां शेषनाग की एक प्रतिकृति है जो हिंदू देवताओं में से एक हैं और जिन्होंने जन्म की रात भगवान कृष्ण की रक्षा की थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

जन मन की भी सुने सरकार

संसद की सुरक्षा में हुई सेधंमारी का मामला जितना चिंताजनक है उससे भी कहीं ज्यादा चिंतनीय बात है इसे लेकर संसद में होने वाला हंगामा और सांसदों का निलंबन। विपक्ष के सांसद अगर सरकार से कोई सवाल पूछना चाहते हैं और अगर वह गृहमंत्री के सदन में आने और इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखने की मांग कर रहे हैं तो इसमें आपत्ति क्या है? विपक्ष की बात को सत्ता क्यों सुनना नहीं चाहता है विपक्ष के सवालों का जवाब देने से सत्ता पक्ष क्यों बच रहा है। क्या निलंबन जैसी कार्रवाई कर के वह विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश कर रहा है यह सवाल उठाया जाना स्वाभाविक इसलिए भी हो गया है क्योंकि सत्ता पक्ष का यह रवैया आम हो चुका है। मणिपुर हिंसा का मुद्दा इसका एक उदाहरण है। जब विपक्ष प्रधानमंत्री को सदन में आने और मणिपुर में हुए महिला अत्याचारों पर बयान देने की मांग कर रहा था जब उसकी मांग को नहीं माना गया तो हंगामा हुआ और सांसदों के खिलाफ कार्यवाही भी हुई। तब विपक्ष द्वारा यह जानते हुए भी की विपक्ष के पास पर्याप्त संख्या बल नहीं है और उनके द्वारा लाये जाने वाले अविश्वास प्रस्ताव पर उनकी हार भी सुनिश्चित है। अविश्वास प्रस्ताव लाया गया क्योंकि उन्हें प्रधानमंत्री के सदन में आने और अपनी बात रखने पर बाध्य करना था। लेकिन इस स्थिति को किसी भी लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं समझा जा सकता है। सरकार चाहे किसी भी दल की हो और उसके पास भले ही कितना भी सशक्त बहुमत हो उसे तानाशाही का अधिकार नहीं हो सकता है। संसद में सेंधमारी करने वाले युवाओं द्वारा सदन में जो नारे लगाए गए वह भी यही थे कि तानाशाही नहीं चलेगी। भाजपा के शासनकाल में आमतौर पर यह देखा जाता रहा है कि सरकार किसी भी मुद्दे पर किए जाने वाले आंदोलन को बलपूर्वक दमन करने के प्रयास करती रही है। बात चाहे किसान आंदोलन की हो या फिर जंतर मंतर पर महिला पहलवानों के शारीरिक व मानसिक शोषण को लेकर किए जाने वाले धरना प्रदर्शन की जिसमें हमने इन महिलाओं को सड़कों पर घसीटने और उनसे धक्का मुक्की की शर्मसार करने वाली तस्वीरें देखी थी। इस तरह का आचरण कतई भी शुभ नहीं नहीं कहा जा सकता है। संसद में सेंधमारी की इस घटना को अंजाम देने वालों में सभी युवक व युवती हिंदू हैं। यह गनीमत की बात है वरना अब तक इस घटना को भी आतंकी साजिश से जोड़ दिया गया होता। इन युवाओं ने इस घटना को क्यों अंजाम दिया इसके मूल में अब तक यही तथ्य सामने आए हैं कि इसके पीछे युवा शक्ति की अवहेलना और बेरोजगारी तथा सरकार द्वारा उनकी पीड़ा को न समझा जाना और उनकी बात को न सुना जाने के पीछे दबा वह आक्रोश ही है। यह बात अलग है कि पुलिस व प्रशासन इसे अन्य मुद्दों से जोड़ने की तलाश में जुटा है। हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार की गारंटी देने वाली सरकार अब अपनी बड़ी नाकामियों को छुपाने के लिए रोजगार मेले लगाकर जो कुछ हजार युवाओं को नियुक्तियों के पत्र बांट रही है और टीवी चैनलों तथा अखबारों में फोटो छपवाकर प्रचार कर रही है उसके पीछे के सच को युवा ही नहीं देश के सभी लोग जानते हैं। दिखाने और ढोल पीटने की राजनीति से भले ही कोई दल सत्ता हासिल कर ले या फिर सत्ता में बना रहे लेकिन उससे देश और समाज का कोई भला नहीं हो सकता है। इस तरह की नीतियों से सिर्फ जनाक्रोश ही बढ़ सकता है। देश के युवाओं के मन की बात को भी समझा जाना सरकार के लिए जरूरी है। देश के आम और गरीब तथा बेरोजगारों और किसानों की समस्या न तो 5 किलो मुफ्त के राशन से हल हो सकती है न बेरोजगारी भत्ता और सम्मान निधि से उनका कुछ भला होने वाला है। सत्ता में बैठे लोग जो कौशल विकास का ढोल पीट रहे हैं उन्हें गरीब, मजदूर, किसान और युवाओं के लिए ठोस कार्य योजना बनाने और उसे धरातल पर उतारने की जरूरत है जिससे फिर कोई युवा संसद में घुसपैठ की ऐसी हिमाकत न कर सके और विपक्ष सदन में इतने हंगामों पर उतारू न हो कि उन्हें सदन से निलंबित करने की नौबत आए।

विधानसभा में नौकरी लगाने के नाम पर ठगे साढे 26 लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। विधानसभा में नौकरी लगाने के नाम पर साढे 26 लाख रूपये ठगने के मामले में एसएसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुआ वाली गली लच्छमी नगर यमुना पार मथुरा निवासी अमित कुमार ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि ऋषिकेश में योगा सीखने के दौरान उसकी पहचान दीपक रावत पुत्र रतन सिंह रावत, निवासी महानन्दा कालोनी, भट्टोंवाला रोड, गुमानीवाला, ऋषिकेश से हुई। उसने उसे कहा कि उसका छोटा भाई बिशाल भारती जो कि ग्रेजुएट है, उसके लिए भी नौकरी तलाश लो तो उस पर दीपक रावत ने कहा कि उसका एक मित्र अंकित नैथानी है, उसने बताया कि वह एक महिला रविकान्ता शर्मा उर्फ रविकान्ता कोठियाल पत्नी नरेन्द्र प्रकाश शर्मा, निवासी अलकनन्दा एनक्लेव, जोगीवाला थाना नेहरू कालोनी, देहरादून के बारे में जानता है। यह महिला राज्य सरकार में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यालय जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, टिहरी गढ़वाल, नरेन्द्र नगर में कार्यरत है, यह महिला अपने आप को काफी प्रभावशाली बताती है और कहती है कि उत्तराखण्ड में बड़े-बड़े सरकारी डिपार्टमेन्ट में उसकी बहुत अच्छी पकड़ एवं पहुंच है तथा उसने कई बेरोजगार लड़के-लड़कियों की नौकरी भी लगायी है। दीपक रावत ने कहा कि रविकान्ता कोठियाल, जो आजकल अपने उपरोक्त जोगीवाला निवास में ही है, क्यों न तुम भी अपने छोटे भाई की नौकरी के सिलसिले में उसके साथ उसके घर जोगीवाला मिलने चलो। 17 जुलाई 2022 के दिन वह एवं दीपक रावत रविकान्ता कोठियाल से उसके जोगीवाला निवास पर गये, जहां पर रविकान्ता शर्मा उर्फ रविकान्ता कोठियाल के पति नरेन्द्र प्रकाश शर्मा भी मौजूद थे, जिन्होंने अपने बारे में बताया कि वह पोस्टल डिपार्टमेन्ट से सेवानिवृत हैं। रविकान्ता शर्मा उर्फ रविकान्ता कोठियाल ने बताया कि वह आयुष मंत्रालय में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत है और कहने लगी कि उसने काफी बेरोजगार लड़के-लड़कियों की नौकरी ओएनजीसी, सचिवालय, स्वास्थ्य विभाग, विधानसभा आदि-आदि जगहों पर लगायी है। उसका विश्वास जीतने के लिये रविकान्ता शर्मा उर्फ रविकान्ता कोठियाल ने अपने मोबाईल नम्बर से योनो एप खोलकर कई लोगों के ट्रांजेक्शन उसको दिखाये, जिसमें एक लाख, पांच लाख व इससे भी अधिक रकम रविकान्ता कोठियाल के खाते में ट्रांजेक्शन हो रखी थी, जो उसके द्वारा दिखायी गयी।

रविकान्ता शर्मा ने कहा कि देखो अभी इस वक्त नियुक्ति बहुत कम है एवं वर्ष 2019 में विधान सभा की नियुक्तियां निकली थी जिसका नोटिफिकेशन हो रखा है एवं जिसकी भर्ती वर्ष 2022 में होनी है और अगर तुम्हें नौकरी लगानी है तो तुम्हें भी तुरन्त आज ही 27 लाख रूपये उसके खाते में जमा करने होंगे, क्योंकि यहां पर जो पहले आयेगा वह पहले पायेगा का नियम लागू है। रविकान्ता कोठियाल ने उसको गारन्टी दी कि अगर वह अपने भाई की नौकरी लगवाना चाहते हो तो तुरन्त पैसों का इंतजाम करो, फरवरी-मार्च 2023 तक उत्तराखण्ड प्रशासन से उसके भाई की नियुक्ति का प्रार्थना पत्र उत्तराखण्ड सचिवालय से आ जायेगा। रविकान्ता कोठियाल ने उसको पूरा भरोसा दिलवा दिया था कि शत प्रतिशत नौकरी लगवा देगी क्योंकि वह स्वयं एक सरकारी कर्मचारी है तथा रविकान्ता कोठियाल द्वारा दबाव बनाया गया कि तुरन्त पैसे दो कि जिससे वह नौकरी लगवाने की कार्यवाही पूरी हो। उसने उक्त महिला को 26 लाख 50 हजार रूपये दे दिये। 18 जुलाई 2022 को उसने रविकान्ता कोठियाल के कहे अनुसार अपने छोटे भाई के समक्ष शैक्षिक प्रमाण पत्र व्हाट्सएप के द्वारा उसको भेजा। रविकान्ता कोठियाल ने दीपक रावत के मोबाईल में अपने मोबाईल से व्हाट्सएव द्वारा 2019 की सचिवालय की नियुक्तियों को नोटिफिकेशन भेजा और दीपक रावत से कहा कि उक्त नोटिफिकेशन उसको भी भेज देना। 12 मार्च 2023 को रविकान्ता कोठियाल द्वारा उसको व्हाट्सएप कॉल कर बोला कि ज्वाईनिंग लैटर तैयार हो रहा है, इसमें तुम्हारे भाई का भी ज्वाईनिंग लैटर है, जिसके बदले में 25 हजार रूपये लिये। 16 मार्च 2023 को उसके व्हाट्सएप पर रविकान्ता कोठियाल द्वारा उसके छोटे भाई का ज्वाईनिंग लैटर भेजा गया और प्रार्थी से 2,00,000 रूपये की तुरन्त ही मांग की गयी। इस बात पर उसका शक यकीन में बदल गया कि रविकान्ता कोठियाल ने षड्यंत्र एवं कूटरचना कर सोची-समझी साजिश के तौर पर उससे नौकरी की एवज में पैसे हड़पने की नीयत से फर्जी नियुक्ति पत्र शासन के लैटर पैड पर एवं राज्य सरकार का प्रतीक चिन्ह लगा लिफाफे का इस्तेमाल कर व नियुक्ति अफसर के फर्जी हस्ताक्षर कर कूटरचना कर तैयार कर उसके भाई का फर्जी नियुक्ति पत्र प्रदान किया तथा उससे 26,55,000 रूपये की ठगी की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

न्यू सब्जी मंडी इकाई का गठन, फरमान बने अध्यक्ष

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन की न्यू सब्जी मंडी इकाई का गठन कर फरमान खान को अध्यक्ष व अनवर अहमद उपाध्यक्ष बनाया गया।

आज यहां न्यू कृषि उत्पादन मंडी समिति ज्वालापुर, सराय रोड स्थित प्रांगण में स्थानीय फुटकर फ्रूट सब्जी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को संगठित करते हुए लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने न्यू सब्जी मंडी सराय रोड की इकाई का गठन करते हुए अध्यक्ष फरमान खान, महामंत्री अनवर अहमद, कोषाध्यक्ष जिशान, उपाध्यक्ष हर्ष अरोड़ा, संगठन मंत्री अफजल, मीडिया प्रभारी सोहेल अहमद, संरक्षक सतीश कुमार, शिवकुमार, सदस्य नंदकिशोर गालिब, मंसूर अली, शादाब सर्वसम्मति से नियुक्त किया। प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा सभी नवनियुक्त स्थानीय पदाधिकारी को फूल माला पहना कर सम्मानित किया। इस अवसर पर

लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा न्यू सब्जी मंडी सराय रोड पर फुटकर फ्रूट सब्जी लघु व्यापारियों को ज्यादा से ज्यादा संगठित कर स्थानीय क्षेत्र में फुटकर फ्रूट सब्जी के लघु व्यापारियों को वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की मांग शीघ्र ही फेरी समिति की बैठक में रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि आम जनता को कृषि उत्पादन मंडी समिति के समीप फुटकर फ्रूट सब्जी सस्ते दरों में उपलब्ध हो सके इसके लिए नगर निगम प्रशासन को उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार सराय रोड के कारोबारी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों का सर्वे कराकर वेंडिंग जोन, हैकिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किया जाना न्याय संगत होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ लघु व्यापारी नेता जय भगवान ने की, संचालन जिला अध्यक्ष राजकुमार एंथनी ने किया। चुनाव सभा में सम्मलित हुए लघु व्यापारियों में आजम अंसारी, राजपाल सिंह, वीरेंद्र कुमार, विजेंद्र चौधरी, कामिल हसन, नम्रता सरकार प्रमुख रूप से शामिल रहे।

परिषद ने सरदार पटेल को पुण्यतिथि पर किया याद

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने प्रथम गृह मंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। आज यहां उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के कार्यकर्ताओं ने देश के प्रथम गृहमंत्री व पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर उनकी घंटाघर स्थित मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि हमें सरदार पटेल के आदर्शो पर चलकर देश व प्रदेश की सेवा करनी चाहिए तभी राज्य का चौमुखी विकास हो पाएगा। श्रद्धांजलि देने वालों में परिषद के संरक्षक नवनीत गुसांई प्रदेश अध्यक्ष विपुल नौटियाल, जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, जगमोहन रावत आदि शामिल रहे।

प्र गायत्रेण गायत पवमानं विचर्षणिम्।
इन्दुं सहस्रचक्षसम्।।

(ऋग्वेद ९-६०-१)

हे भक्तों ! तुम वेदों का अध्ययन करके अपने आप को पवित्र बनाओ। सर्वदृष्टा परमेश्वर की गायत्री छंद आदि के मन्त्रों से स्तुति करो।

सरकार द्वारा बनाये गये कानून का हो रहा है दुरूपयोगः दसौनी

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस मुख्य प्रवक्ता गरिमा माहरा दसौनी ने कहा कि सरकार द्वारा अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों की भूमि को बचाये जाने के लिए बनाये गये कानून का खुलेआम दुरूपयोग हो रहा है। आज उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता कर मुख्य प्रवक्ता गरिमा माहरा दसौनी ने धामी राज में अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों पर शोषण के गंभीर आरोप लगाए। दसौनी ने कहा कि गरीब अनुसूचित जाति के व्यक्तियों की भूमि को संरक्षण प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा एक कानून बनाया गया ताकि गरीब अनुसूचित जाति के व्यक्तियों की जमीन बची रहे, परंतु सरकार द्वारा कानून में व्यवस्था की गयी थी कि अनुसूचित जाति के लोग जो बडे कृषक है जिनके पास यदि तीन एकड़ से ज्यादा भूमि है तो वह लोग राजस्व विभाग एवं जिलाधिकारी से अनुमति लेकर भूमि विक्रय कर सकते हैं। दसौनी ने कहा कि उक्त व्यवस्था का अनुचित लाभ उठाते हुए कुछ भू माफियाओं द्वारा उक्त व्यवस्था का लाभ उठाकर अपनी काली कमाई का धंधा बना लिया जिससे गरीब

अनुसूचित जाति के व्यक्तियों कि भूमि बेचने हेतु बनाये गये कानून का दुरुपयोग देखने को मिला है। दसौनी ने कहा कि इस पूरे प्रकरण में बड़ा सवाल यह उठता है कि एक ही व्यक्ति को इतने बड़े पैमाने पर भूमि क्रय विक्रय करने की अनुमति भी मिलती रही और शासन प्रशासन में बैठे हुए किसी भी अधिकारी को उस पर शक नहीं हुआ या फिर यह सभी की मिली भगत का नतीजा है। दसौनी ने कहा कि इस क्रम में रतिराम पुत्र ज्योति राम निवासी ग्राम सभावाला तहसील विकासनगर देहरादून नामक व्यक्ति द्वारा लगभग 200 से 300 बीघा भूमि फर्जी शपथ पत्र प्रस्तुत करके राजस्व विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत से अनुमति प्राप्त कर प्लाटिंग कर ऊँचे दामों में विक्रय कर दी गयी, इस कारण रतिराम पुत्र ज्योति राम निवासी सभावाला के विरूद्ध फर्जी शपथपत्र सम्बधित प्रकरण में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट देहरादून के आदेश अनुसार थाना कोतवाली देहरादून में संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया जिसकी जाँच गतिमान है परन्तु रतिराम की पैठ इतनी गहरी है कि उसकी गिरफ्तारी पुलिस प्रशासन द्वारा अभी तक नहीं की गयी है। दसौनी ने कहा कि उक्त व्यक्ति द्वारा गरीब अनुसूचित जाति के लोगों से औने पौने दामों में जमीन खरीद कर फर्जी प्रपत्रों के आधार पर अनुमति प्राप्त कर ऊँचे दामों में विक्रय कर करोडो रूपये की काली कमाई कर ली गयी है। इस गोरखधंधे में राजस्व विभाग के कर्मचारियों की पूर्णतः मिलीभगत है। इसके अलावा भी कई अन्य व्यक्तियों द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियों की भूमि औने पौने दामों पर खरीद कर फर्जी प्रपत्रों के आधार पर अनुमति लेकर ऊँचे दामो पर बेच कर सरकार द्वारा बनाये गये कानून की धज्जियां उडाई जा रही हैं। दसौनी ने मांग करते हुए कहा कि यह प्रकरण इतना गंभीर प्रवृत्ति का है कि जिसकी व्यापक जांच की जानी चाहिए और दोषी व्यक्तियों एवं संलिप्त राजस्व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किया जाना आवश्यक है।

दसौनी ने अंदेशा जताया कि जब अस्थाई राजधानी देहरादून के विकासनगर में भ्रष्टाचारियों के मंसूबे इतने मजबूत हैं तो पता नहीं प्रदेश में कहां कहां भू माफियाओं के द्वारा इस तरह के कृत्य को अंजाम दिया जा रहा होगा।

शराब पीने के चक्कर में गंवाये नकदी व एक्टिवा

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात के साथ शराब पीने पर एक्टिवा व नगदी गंवा दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहनपुर स्मिथ नगर निवासी सुनील शर्मा ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा भूपेश शर्मा अपने छोटे भाई को छोडने के लिए सहारनपुर चौक गया था। वहां से उसको बेटा भाई को छोडने के पश्चात आढत बाजार की तरफ आगे बढ गया और आगे वह प्रिंस चौक से पहले एक ठेके के पास गाडी रोक खडा हो गया। वहां उसको एक व्यक्ति मिला और बातचीत हुई। कुछ देर बाद उसने ठेके से शराब खरीदी और उसने भी शराब खरीदी और वहीं दोनों ने मिलकर शराब का सेवन किया। फिर उसने पूछा कि उसको किस तरफ जाना है उसने कहा कि उसको किशन नगर चौक जाना है और घंटाघर होकर जाऊंगा। उसने कहा कि दर्शनलाल चौक छोड देना। उसके बेटे ने कहा ठीक है। उसने फिर एक्टिवा स्टार्ट किया लेकिन शराब पीने के बाद उसको दिक्कत महसूस हुई। उस व्यक्ति ने कहा कि चलो एक्टिवा वह चला लेता है। उसको दर्शनलाल चौक तक ले चलता हूं। जब उसके बेटे को होश आया तो वह परेड ग्राउंड के पास दून क्लब के फुटपाथ पर पाया। उसने देखा कि उसका मोबाइल फोन, नगद तीन हजार रूपये गायब थे। उसने आसपास देखा तो उसकी एक्टिवा भी वहां पर नहीं थी। जिसके बाद उसने ऑटो पकडकर किशन नगर चौक अपनी दुकान पर आया।

सर्दियों में सिर्फ स्वाद के लिए ही बल्कि इस वजह से खाई जाती है जड़ वाली सब्जी गाजर-मूली

मूली पोषण से भरपूर सब्जी है। इसलिए सर्दियों में इसे डाइट में शामिल किया जाता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व हेल्दी होता है। जिसे अगर आप सर्दियों में रोजाना खाते हैं तो इसके कई फायदे मिलेंगे। जब जड़ वाली सब्जियों की बात आती है, तो हममें से ज्यादातर लोग गाजर, आलू और चुकंदर से परिचित होते हैं। लेकिन क्या आपने कभी मूली खाई है? इस छोटी लेकिन शक्तिशाली सब्जी को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन जब पोषण और स्वास्थ्य लाभ की बात आती है तो यह एक शक्तिशाली प्रभाव डालती है। अपने अनगिनत स्वास्थ्य लाभों के कारण मूली को सुपरफूड माना जाता है। आइए इस जड़ वाली सब्जी पर करीब से नजर डालें और इसे अपने आहार में शामिल करने के पांच स्वास्थ्य लाभों की खोज करें।

पोषक तत्वों से भरपूर

मूली आकार में भले ही छोटी होती है, लेकिन पोषक तत्वों के मामले में बड़ी होती है। यह विटामिन सी का एक बड़ा स्रोत है, एक आवश्यक पोषक तत्व जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने और सामान्य सर्दी जैसी बीमारियों से बचाने में मदद करता है। मूली अन्य विटामिन जैसे बी विटामिन, फोलेट और पोटेशियम से भी समृद्ध है। इसके अलावा, मूली फाइबर का एक बड़ा स्रोत है, जो स्वस्थ पाचन तंत्र को बनाए रखने और नियमित मल त्याग को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे महत्वपूर्ण खनिज भी होते हैं जो मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

वजन घटाने को बढ़ावा देता है

इस जड़ वाली सब्जी में कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जो इसे किसी भी वजन घटाने वाले आहार के लिए एक बढि?া अतिरिक्त बनाता है। मूली में मौजूद फाइबर आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस करने में मदद करता है, लालसा को कम करता है और अधिक खाने से रोकता है।

कैंसर से लड़ता है

मूली में ग्लूकोसाइनोलेट्स नामक यौगिक होते हैं जिनमें कैंसररोधी गुण पाए गए हैं। ये यौगिक सक्रिय पदार्थों में टूट जाते हैं जो कुछ प्रकार के कैंसर जैसे कोलन कैंसर, स्तन कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से बचाने में मदद कर सकते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

हृदय रोग दुनिया भर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। अच्छी खबर यह है कि मूली को अपने आहार में शामिल करने से हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। मूली में पोटेशियम होता है, जो निम्न रक्तचाप के स्तर और स्ट्रोक के जोखिम को कम करने से जुड़ा हुआ है। इसमें एंथोसायनिन भी होता है, एक प्रकार का फ्लेवोनोइड जो हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है और हृदय रोग के जोखिम को कम करता है।

त्वचा के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है

जब आपकी त्वचा की बात आती है तो यह कहावत आप वही हैं जो आप खाते हैं चरितार्थ होती है। मूली जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन आपकी त्वचा की उपस्थिति और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। मूली में विटामिन सी होता है, जो कोलेजन उत्पादन के लिए आवश्यक है। कोलेजन एक प्रोटीन है जो त्वचा को संरचना और लचीलापन प्रदान करता है, जिससे उसे दृढ़ और युवा दिखने में मदद मिलती है। इसके अलावा, मूली पानी का एक बड़ा स्रोत है, जो आपकी त्वचा को हाइड्रेटेड और कोमल बनाए रखने में मदद करती है। मूली में पानी की उच्च मात्रा इसे एक बेहतरीन डिटॉक्सिफाइंग भोजन बनाती है, जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और साफ और चमकदार त्वचा को बढ़ावा देने में मदद करती है।(आरएनएस)

पढ़ने का शौक है तो लाइब्रेरी साइंस रहेगा बेहतर

आम तौर पर माना जाता है कि एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना है पर यह सही नहीं है। बल्कि लाइब्रेरियन का काम लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है।

आज के समय में लोग भले ही सूचनाओं को कंप्यूटर या फोन पर हासिल करने लग गए हों, लेकिन फिर भी किताबों का महत्व उसी तरह बरकरार है। आज भी पढ़ने के शौकीन लोग कई तरह की किताबें, मैगजीन व अखबार आदि पढ़ना पसंद करते हैं और इसके लिए वह लाइब्रेरी का रूख करते हैं। वहां पर पत्र.पत्रिकाओं का एक बड़ा कलेक्शन मौजूद होता है और हर कोई अपनी पसंद की किताब वहां आसानी से पढ़ सकता है। अगर आपको हरदम किताबों से घिरे रहना पसंद है तो लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करके बतौर लाइब्रेरियन अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

क्या होता है काम

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फकिताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आसान शब्दों में, एक लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के लिए जिन भी प्रयासों की आवश्यकता होती है, वह सभी उसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कदम रखने वाले छात्रों को सबसे पहले तो किताबों से लगाव होना बेहद जरूरी है। अगर आपका किताबों के प्रति रूझान नहीं है तो यह क्षेत्र आपके लिए नहीं है। इसके अलावा आपके भीतर मैनेजमेंट स्किल्स भी होने चाहिए। अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिप्लोमा, ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स उपलब्ध हैं। अगर आप लाइब्रेरी साइंस में एक वर्षीय बैचलर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं तो आपके पास कम से कम स्नातक स्तर की योग्यता होनी बेहद आवश्यक है। ठीक इसी तरह, मास्टर्स डिग्री करने के लिए लाइब्रेरी साइंस में बैचलर डिग्री होनी चाहिए।

संभावनाएं

अगर आप समझते हैं कि लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद आप सिर्फ लाइब्रेरियन ही बन सकते हैं, तो आप गलत है। इस कोर्स को करने के बाद आप इनफॉर्मेशन रिसोर्स स्पेशलिस्ट, रिसर्चर, मेटा.डेटा स्पेशलिस्ट और डॉक्यूमेंट स्पेशलिस्ट के तौर पर भी काम कर सकते हैं। लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद छात्रों को लाइब्रेरी के अलावा, गैलरीज, इंफर्मेशन एंड डाक्यूमेंटेशन सेंटर्स, पब्लिशिंग हाउस आदि में आसानी से काम मिल जाएगा।

आज का सामाजिक सच

ओबीसी अस्मिता का उभार अब गुजरे जमाने की बात हो चुका है। इस बीच खुद ओबीसी के अंदर विभिन्न जातीय अंतर्विरोध तीखा रूप ले चुके हैं। दूसरी तरफ ओबीसी अस्मिता का दलित-आदिवासी समूहों के साथ टकराव खड़ा हुआ है।

तीन हिंदी भाषी राज्यों के चुनाव नतीजों से साफ है कि जातीय अस्मिता को अपनी चुनावी रणनीति का आधार बनाने की कांग्रेस की रणनीति उसे बहुत महंगी पड़ी। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि यह रणनीति आज की सामाजिक हकीकत की नासमझी पर आधारित है। इसमें इस समझ का अभाव है कि 1990 के दशक में हुआ ओबीसी अस्मिता का उभार अब गुजरे जमाने की बात हो चुका है। इस बीच खुद ओबीसी के अंदर विभिन्न जातीय अंतर्विरोध तीखा रूप ले चुके हैं। दूसरी तरफ ओबीसी अस्मिता का दलित-आदिवासी समूहों के साथ टकराव खड़ा हुआ है। निहितार्थ यह कि अब ओबीसी गोलबंदी की बात करने पर टकराव सिर्फ सवर्ण जातियों से नहीं उभरता, बल्कि बहुजन की जो धारणा एक समय पेश की गई थी, उसमें शामिल कई अन्य समूहों के साथ भी अंतर्विरोध खड़ा हो जाता है। छत्तीसगढ़ के चुनाव नतीजों के सामने आ रहे विश्लेषणों से ये तमाम बातें पुष्ट होती हैं।

जातीय जनगणना पर जोर देते हुए ओबीसी गोलबंदी की कांग्रेस की रणनीति ने आदिवासी समुदायों को उसके खिलाफ खड़ा कर दिया। वहीं ओबीसी के अंदर चूंकि मुख्यमंत्री कुर्मी समुदाय से आते थे, तो साहू समुदाय के लोगों ने अपने को उपेक्षित महसूस किया। कहा जा रहा है कि आदिवासियों के साथ-साथ इस समुदाय के अधिकांश वोट भी भाजपा को चले गए। ऐसा देश के दूसरे राज्यों में भी देखने को मिला है। तो निष्कर्ष स्पष्ट है। जब ओबीसी या दलित की सामूहिक राजनीतिक अस्मिता ही कमजोर हो चुकी है, तो अन्य उत्पीड़ित अस्मिताओं के साथ मिलकर सवर्ण विरोधी एक बड़ी राजनीतिक अस्मिता बना पाने का अब कोई आधार नहीं बचता। इसके बावजूद कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों का ऐसी गोलबंदी से उम्मीद जोड़े रखना यही बताता है कि जमीन से उनका संबंध टूट चुका है। उनकी ये अल्पदृष्टि इन समुदायों को बड़ी हिंदू पहचान के अंदर समेटने की भाजपा की कोशिश में सहायक बनी है। अपनी इसी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि वे सिर्फ चार जातियों- किसान, मजदूर, महिला और गरीब- को जानते हैं। मतलब यह कि अब भाजपा की रणनीति वर्गीय पहचान को भी हिंदुत्व के अंदर समाहित करने की है। (आरएनएस)

इंडिया गठबंधन का संकट

विधानसभा चुनावों के दौर में ऐसा लगा कि इंडिया एलायंस को एक तरह से अवकाश पर भेज दिया गया है। अब जबकि उसे छुट्टी से वापस बुलाया जा रहा है, तो वह चोटिल अवस्था में है। इसका असर आज गठबंधन की बैठक में दिखेगा।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन को ठेंगे पर रखा। तो अब बारी उसकी कीमत चुकाने की है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद हवा में उछल रही कांग्रेस की गणना संभवत:यह थी कि पांच विधानसभा के चुनाव में भी बेहतर प्रदर्शन करने के बाद उसकी हैसियत इतनी बढ़ जाएगी कि वह इंडिया गठबंधन के अंदर अपनी शर्तें थोप सकेगी। चूंकि उसका प्रदर्शन बदतर रहा, तो अब स्वाभाविक है कि गठबंधन में शामिल दूसरे दल उस पर अपनी शर्तें थोपने की तैयारी में हैं। तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने खुल कर कांग्रेस के अहंकार की चर्चा की है। दूसरी तरफ जनता दल (यू) की तरफ से मांग उठा दी गई है कि अब 2024 के चुनाव में नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन का चेहरा घोषित किया जाए। इस सारे घटनाक्रम का सार यह है कि विपक्षी दल फिलहाल दिमाग भाजपा के खिलाफ रणनीति बनाने से ज्यादा अपने गठबंधन के भीतर अपनी हैसियत बढ़ाने और जताने में लगाए हुए हैं।

यह उनमें उद्देश्य की एकता के अभाव का एक सूचक है। अगर ऐसी एकता की भावना होती, तो निर्विवाद रूप से कांग्रेस राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में इंडिया में शामिल दलों को सीट बंटवारे में एडजस्ट करती। ऐसा होता, तो हार की अवस्था में भी यह गठबंधन एक बेहतर जमीन पर नजर आता। तब यह संदेश बना रहता कि गठबंधन में शामिल दल भाजपा को एक विचारधारात्मक चुनौती मानते हैं- इसलिए उसे परास्त करने के लिए अपने हितों को कुर्बान करने तक को तैयार हैं। मगर यह मौका गंवाया जा चुका है। बल्कि विधानसभा चुनावों के दौर में ऐसा लगा कि इंडिया एलायंस को एक तरह से अवकाश पर भेज दिया गया है। अब जबकि उसे छुट्टी से वापस बुलाया जा रहा है, तो वह चोटिल अवस्था में है। आज (बुधवार को) जब महीनों के अंतराल के बाद गठबंधन की बैठक होगी, तो उस पर इस चोट का असर साफ दिखेगा। 2024 के चुनाव के सिलसिले में गठबंधन की संभावनाएं पहले भी बहुत उज्ज्वल नहीं थीं, लेकिन अब तो ये धूमिल नजर आ रही हैं।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सर्दियों में सिरदर्द ने कर रखा है परेशान, तो आज़माएं ये देसी नुस्खे

सर्दियों में सर्दी, खांसी, जुकाम और वायरल जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। इस मौसम में सिरदर्द और सिर में भारीपन की परेशानी भी काफी बढ़ जाती है। कई बार सुबह-सुबह ही इस दर्द से बिस्तर ही नहीं छोड़ने का मन करता है। इस दर्द से छुटकारा पाने के लिए कुछ लोग पेनकिलर खा लेते हैं या बाम वगैरस का इस्तेमाल करते हैं लेकिन हर बार ये आरामदायक हो ऐसा जरूरी नहीं है। ऐसे में कुछ घरेलू उपाय सिरदर्द से छुटकारा दिला सकता है। सबसे अच्छी बात कि इन चीजों के साइड इफेक्ट्स भी नहीं होते हैं।

सिरदर्द से छुटकारा दिलाने वाले घरेलू उपाय

अदरक का काढ़ा

सर्दी के मौसम में सिरदर्द से परेशान हो गए हैं तो अदरक का काढ़ा जबरदस्त असरदार हो सकता है। इससे शरीर को गर्मी तो मिलती ही है, दर्द से राहत भी मिल जाती है। अदरक का काढ़ा पीने से शरीर की जलन भी कम होती है। इससे इम्यूनिटी मजबूत होती है और कई फायदे होते हैं। अदरक के काढ़े की बजाय अदरक वाले पानी में शहद डालकर पीने से गजब फायदा मिलता है।

कॉफी

सर्द भरे मौसम में सिरदर्द की समस्या को दूर करने के लिए गर्म चीजों का सेवन करना फायदेमंद होता है। कैफीन या किसी गर्म चीजों को लेने से स्ट्रेस कम होता है और सिरदर्द से छुटकारा मिलता है। रिसर्च के मुताबिक, कैफीन मूड के लिए अच्छा होता है। यह दिमाग को अलर्ट करने और रक्त कोशिकाएं को रिलैक्स करने का काम करता है। इससे सिरदर्द से आराम मिलता है।

गर्म तेल से मालिश

ठंडी से अगर सिरदर्द हो रहा है तो हल्के गर्म तेल से सिर की मालिश करें। इससे सिरदर्द से राहत मिलती है। सरसों का तेज ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इससे दर्द से जल्दी राहत मिल जाती है और मसल्स को भी आराम मिलता है। ऐसा करने से माइग्रेन से भी बचाव होता है।

योगासन

सिरदर्द की समस्या को दूर करने में कुछ योगासन काम आ सकते हैं। योग और गर्दन-कंधों की हल्की एक्सरसाइज से हेडेक से छुटकारा पा सकते हैं। एक्सपर्ट्स भी बताते हैं कि योग से सिरदर्द और तनाव को दूर भगाने में मदद मिलती है।

बॉडी को रेस्ट दें

शरीर को आराम देकर भी सिरदर्द की समस्या को दूर कर सकते हैं। सर्दियों में सिरदर्द होने पर गर्म कपड़े पहने और जितना हो सके बॉडी को आराम करने दें। क्योंकि कई बार नींद पूरी न होने पर भी सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर छाई शाहरुख खान की जवान

शाहरुख खान की जवान ने अपनी कमाई से बॉक्स ऑफिस को हिला डाला था. सिनेमाघरों के अलावा एटली की इस मल्टीस्टारर फिल्म ने ओटीटी पर भी अपना जलवा कायम रखा था. वहीं रिलिज के इतने महीनों बाद भी जवान ने एक और मुकाम हासलि कर लिया है.

शाहरुख खान की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म को इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर एक बड़ी सफलता मिली है. जी हां, किंग खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म ने अस्त्र फिल्म एंड क्रिएटिव आर्ट्स अवॉर्ड में अपनी जगह बनाई है. जवान को अस्त्र अवॉर्ड 2024 में बेस्ट फीचर कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया है.

इसी के साथ शाहरुख की फिल्म जवान अस्त्र फिल्म एंड क्रिएटिव आर्ट्स अवॉर्ड में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म के लिए नॉमिनेट होने वाली इकलौती इंडियन फिल्म बनी है.बता दें कि हाल ही में द हॉलीवुड क्रिएटिव अलाइंस ने उनके अस्त्र फिल्म एंड क्रिएटिव आर्ट्स अवॉर्ड की अनाउंसमेंट की है, जहां अलग अलग देशों के फिल्मों के नाम शामिल हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अवॉर्ड्स शो के विनर्स की लिस्ट अमेरिका में लॉस एंजेलिस में 26, 2024 में आउट की जाएगी.

शब्द सामर्थ्य -031

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

1		2		3	4		5	
		6					7	8
9						10		
		11			12			
	13			14				
15		16						17
				18		19		
		20				21		
	22			23				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 30 का हल

ज	ल	3	आ	वा	जा	ही	6	4
मा		खू	ब	8	दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग	10	ल	क्ष्य
12	न	ख		त	र	ल		
12	वी	रा	न		15	च	ट	क
17	र	ब	18	आ	ज	क	ल	
	17	21	आ	ग	19	दा	ना	
23	अ	ग	र	म	ग	र	23	क्रो
भा	भी		ती	न	26		व	ध

क्यों बेलगाम हैं अपराध ?

यह सिर्फ अवधारणा नियंत्रण की भाजपा की ताकत है, जिस कारण उलटी हकीकत के बावजूद इस पार्टी की सरकारें बेहतर कानून-व्यवस्था के दावे को अपना कथित यूएसपी बनाए रख पाती हैँ। वरना, हकीकत बिल्कुल ऐसे दावों के विपरीत है।

हत्या, लूट, बलात्कार, साइबर क्राइम- इन सभी अपराधों में लगातार इजाफा होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। यह सिर्फ अवधारणा नियंत्रण की भारतीय जनता पार्टी की ताकत है, जिस कारण उलटी हकीकत के बावजूद इस पार्टी की सरकारें बेहतर कानून-व्यवस्था के दावे को अपना कथित यूएसपी बनाए रख पाती हैँ। जबकि खुद सरकारी आंकड़े ऐसे दावों की पोल खोलते हैं। इनमें सबसे आधिकारिक आंकड़े राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट से प्राप्त होते हैं।

मसलन, इसी हफ्ते जारी साल 2022 की रिपोर्ट के अनुसार 2021 के मुकाबले 2022 में महिलाओं के प्रति अपराध में चार प्रतिशत का इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि ऐसे जुर्म के हर घंटे औसतन करीब 51 एफआइआर दर्ज हुए। उधर देश में हर दिन अपहरण की औसतन 294 से अधिक घटनाएं हुईं। साइबर अपराध के मामलों में भी 2021 के मुकाबले करीब 24.4 फीसदी वृद्धि हुई है। इनमें सबसे ज्यादा फ्रॉड से जुड़े मामले थे। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के प्रति अपराध में भी वृद्धि दर्ज की गई। देश में बच्चों के साथ अपराध में भी इजाफा हुआ। 2021 की तुलना में बुजुर्गों के प्रति अपराध में भी नौ फीसद से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। 2022 में अचानक होने वाली मौतों में उसके पिछले साल के मुकाबले 11.6 प्रतिशत का इजाफा हुआ। 2022 में इस तरह से 56,653 लोगों की जान चली गई। इनमें दिल का दौरा पडऩे से मरने वालों की संख्या 32 हजार से ज्यादा है। इन आंकड़ों के मुताबिक देश में आत्महत्या के मामलों में भी करीब चार चार फीसद की वृद्धि हुई। 2022 में 13,000 से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या कर ली। इन आंकड़ों से जाहिर है कि कानून-व्यवस्था में सुधार के तमाम दावे निराधार हैँ। ऐसा सबसे बड़ा दावा उत्तर प्रदेश में किया जाता है। लेकिन असल हाल यह है कि वहां अपहरण के सर्वाधिक मामले दर्ज हुए। इनकी संख्या 16,262 रही। एनसीआरबी के मुताबिक 2022 में उत्तर प्रदेश में महिलाओं के प्रति अपराध के करीब 66 हजार मामले दर्ज किए गए। इसलिए असल विचारणीय प्रश्न यह है कि अपराध थम क्यों नहीं रहे हैं? इसकी जवाबदेही जाहिरा तौर पर सत्ताधारियों पर ही है।(आरएनएस)

भाजपा में सांसदों की छंटनी का काम शुरु

भारतीय जनता पार्टी ने अपने 303 लोकसभा सांसदों में से छंटनी का काम शुरू कर दिया है। पिछले कई महीनों से ऐसी खबरें आ रही थीं कि भाजपा बड़ी संख्या में सांसदों की टिकट काटेगी। उत्तर भारत के हिंदी पट्टी राज्यों में भाजपा ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। सर्वे करने वाली एजेंसियों और जमीनी फीडबैक के हिसाब से सूची तैयार की जा रही है। चुनावी राज्यों से इसकी शुरुआत हो गई है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा का चुनाव जीतने वाले 12 में से 10 सांसदों का इस्तीफा हो गया है। दो सांसदों के इस्तीफे भी हो जाएंगे। बुधवार को बालकनाथ कहीं दूसरी जगह थे और रेणुका सिंह मेडिकल इमरजेंसी की वजह से दिल्ली में नहीं थीं। इसलिए इन दो के इस्तीफे नहीं हुए हैं। इस्तीफा देने वालों में तीन केंद्रीय मंत्री भी शामिल हैं। बहरहाल, यह तय हो गया कि जिन 10 सांसदों ने इस्तीफा दिया है उनको अगली बार टिकट नहीं मिलेगी। उन्हें विधायक रहना होगा। भाजपा ने कुल 21 सांसदों को टिकट दी थी, जिसमें से 12 जीते और नौ हार गए। हारे हुए नौ सांसदों को भी टिकट मिलने की संभावना नगण्य है। तेलंगाना में मिल जाए तो नहीं कहा जा सकता है कि लेकिन मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हारे हुए सांसदों को टिकट नहीं मिलेगी। इस तरह इन तीन राज्यों में मोटे तौर पर 16 सांसदों की टिकट कटना तय हो गया। इनके अलावा और भी सांसदों की टिकट कट सकती है। भाजपा के जानकार नेताओं का कहना है कि परफारमेंस और उम्र के साथ साथ यह भी देखा जा रहा है कि कोई नेता कितनी बार से लगातार जीत रहा है। लगातार कई बार से जीत रहे सांसदों की इस बार टिकट कट सकती है। अगले साल लोकसभा के साथ ही ओडिशा विधानसभा का चुनाव होना है, जहां से भाजपा के आठ सांसद हैं। उनमें से भी कुछ लोगों को विधानसभा का चुनाव लडऩे को कहा जा सकता है। उसके बाद तीन राज्यों- महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के विधानसभा चुनाव हैं। इन तीन राज्यों में भी कुछ सांसदों को विधानसभा का चुनाव लड़ाया जाएगा। ताकि लोकसभा में नए चेहरों को टिकट दी जा सके। एंटी इन्कम्बैंसी कम करने और युवाओं को आगे बढ़ाने के नाम पर भाजपा बड़ी संख्या में सांसदों की टिकट काटेगी। तीन राज्यों के चुनावों से यह दिखने लगा है। इसलिए उत्तर भारत की हिंदी पट्टी और महाराष्ट्र व गुजरात जैसे पश्चिमी राज्यों में भाजपा के लोकसभा सांसदों की चिंता बढ़ी है। (आरएनएस)

'फाइटर' में पहली बार ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्क्रीन शेयर कर रहे हैं

सिद्धार्थ आनंद की डायरेक्शनल मोस्ट अवेटेड फिल्म 'फाइटर' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं 'फाइटर' में पहली बार ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्क्रीन शेयर कर रहे हैं। फिल्म के पोस्ट रिलीज के बाद से ही इस फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। वहीं मेकर्स ने फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ाते हुए 'फाइटर' का धांसू टीजर आज रिलीज हो गया है। टीजर फुल एक्शन पैक्ड है और इसे देखकर रौंगटे खड़े हो गए हैं।

मोस्ट अवेटेड फिल्म 'फाइटर' के मेकर्स ने आज इसका टीजऱ जारी करके फैंस को फिल्म की पहली झलक दिखा दी है। इस एरियल एक्शन ड्रामा फिल्म के 1 मिनट 13 सेकंड के टीजऱ में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर का दमदार लुक देख फैंस को हो उड़ हुए हैं। आर्मी की यूनिफॉर्म पहने तीनों स्टार्स गजब लग रहे हैं और ऊपर से इनके हवाई स्टंट देखकर होश उड़ गए हैं। फिल्म में दीपिका और ऋतिक फाइटर जेट में सवार होकर एरियल एक्शन करते दिख रहे हैं।

इतना ही नहीं टीजर में बैकग्राउंड में नेशनल फ्लैग के साथ हेलीकॉप्टर में ऋतिक का क्लोजिंग शॉट भी दमदार है। वंदे मातरम् का बैकग्राउंड स्कोर रगों में देशभक्ति का जोश भर देता है। इन सबके अलावा टीजर में ऋतिक-दीपिका की शानदार केमिस्ट्री भी दिखाई गई है। दोनों का लिपलॉक भी देखने को मिला है जो यकीनन अब टीजऱ के रिलीज़ होने के बाद काफी चर्चा में रहने वाला है। ओवरॉल 'फाइटर' का टीजर रौंगटे खड़े कर देता है।

सिद्धार्थ आनंद की हार्ड-कोर एरियल एंटरटेनर 'फाइटर' में रितिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर लीज रोल में हैं।

फिल्म में ऋतिक एक स्क्वाड्रन लीडर शमशेर पठानिया उर्फ पैटी के रोल में दिखेंगे। जबकि दीपिका पादुकोण स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़ उर्फ मिन्नी के किरदार में दिखेंगी। वहीं अनिल कपूर फिल्म में एक कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन राकेश जय सिंह उर्फ रॉकी के दमदार रोल में दिखेंगे। बता दें कि ये मोस्ट अवेटेड फिल्म फाइटर अगले साल जनवरी में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

फिल्म खो गए हम कहां से सामने आई सिद्धांत चतुर्वेदी की नई झलक

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी को आखिरी बार कैटरीना कैफ और ईशान खट्टर के साथ फिल्म फोन भूत में देखा गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं सकी।ऐसे में अब प्रशंसक सिद्धांत की आगामी फिल्म खो गए हम कहां का इंतजार बेसब्री कर रहे हैं, जो 26 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी।इससे पहले फिल्म से उनकी नई झलक सामने आई है। खो गए हम कहां में उनके किरदार का नाम इमाद होगा।

खो गए हम कहां का ट्रेलर 10 दिसंबर को आएगा। फिल्म में अनन्या पांडे और आदर्श गौरव भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।कल्कि कोचलिन भी फिल्म का हिस्सा हैं।खो गए हम कहां के जरिए अर्जुन वरन सिंह ने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है तो वहीं जबकि फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण किया गया है।इसकी कहानी जोया अख्तर, अर्जुन वरैन सिंह और रीमा कागती ने लिखी है।

अनन्या ने को-स्टार्स सिद्धांत और आदर्श के साथ कैसे समय बिताया, ये वीडियो साफ जाहिर कर रहा है। बीटीएस वीडियो शेयर कर अनन्या ने कैप्शन में लिखा, होने दो जो होता है, बिल्कुल वैसा है, जैसे हमारा दिसंबर मूड। बता दें कि हाल ही में फिल्म का पहला गाना होने दो जो होता है रिलीज हुआ, जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया।

'एनिमल' ने तोड़ा पठान-जवान और गदर 2 का रिकॉर्ड

रणबीर कपूर की 'एनिमल' का क्रेज ऑडियंस के सिर चढ?र बोल रहा है. ये फिल्मबॉक्स ऑफिस पर एक के बाद एक रिकॉर्ड तोड़ रही है. 'एनिमल' को रिलीज हुए एक हफ्ता से अधिक का समय हो चुका है लेकिन इसे सिनेमाघरों में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है और धुंआधार नोट बटोर रही है. रिलीज के छेठे दिन 'एनिमल' ने 300 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया था. चलिए यहां जानते हैं 'एनिमल' ने रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार को कितनी कमाई की है?

'एनिमल' रणबीर कपूर के करियर की सबसे बड़ी फिल्म बनने की ओर बढ़ रही है. वीकडेज में भी बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई की बुलेट से भी तेज रफ्तार देखकर हर कोई हैरान है. 'एनिमल' का ये फीवर फिलहाल ऑडियंस के सिर से जल्द उतरने वाला नही है. फिल्म की कमाई की बात करें तो एनिमल की ओपनिंग 63 करोड़ के कलेक्शन के साथ हुई थी. इसके बाद दूसरे दिन 'एनिमल' ने 66.27 करोड़ रुपये कमाए. तीसरे दिन फिल्म की कमाई 7.83 फीसदी के उछाल के साथ 71.46 करोड़ रुपये रही. चौथे दिन 'एनिमल' ने 43.96 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं पांचवें दिन रणबीर कपूर की फिल्म की कमाई 37.47 करोड़ रुपये रही है. छेठे दिन 'एनिमल' ने 30.39 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब फिल्म की रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक 'एनिमल' ने रिलीज के सातवें दिन 25.50 करोड़ का कलेक्शन किया है।

इसी के साथ 'एनिमल' की सात दिनों की कुल कमाई अब 338.85 करोड़ रुपये हो गई है।

'एनिमल' ने सातवें दिन शाहरुख खान की पठान और जवान दोनों को करारी मात दी है. 'एनिमल' का सात दिनों का कुल कलेक्शन 338 करोड़ से ज्यादा हो गया है. वहीं पठान का सात दिनों का कुल कलेक्शन 318 करोड़ रुपये था जबकि पठान का सात दिनों का कुल कलेक्शन 327 करोड़ था. वहीं गदर 2 की सात दिनों की कुल कमाई 284 करोड़ थी. ऐसे में सात दिनों के ग्रॉस कलेक्शन के मामले में एनिमल सबसे आगे निकल गई है. फिल्म के वीकेंड तक घरेलू बाजार में 400 करोड़ का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है. फिलहाल कर किसी की निगाहें बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई हैं।

'एनिमल' का सिनेमाघरों में हाहाकार मचा हुआ है. फिल्म इन महज सात दिनों में रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर ली है. इसी के साथ रणबीर अपनी ही फिल्म संजू के लाइफटाइम कलेक्शन का रिकॉर्ड ब्रेक करने से चंद कदम दूर है. बता दें कि संजू 2018 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने 342.53 करोड़ का लाइफटाइम कलेक्शन किया था. इसी के साथ 'एनिमल' रणबीर कपूर के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन जाएगी।

कांग्रेस चुनाव लडना सचमुच भूल गई है!

अजीत द्विवेदी

उत्तर भारत में क्यों कर कांग्रेस डूबी- उ- नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने भाजपा को चुनाव लडने की मशीनरी बना दिया है। और राजनीति में यह अच्छी बात है। ठिक दूसरी तरफ कांग्रेस चुनाव लडना भूल गई! कैसे और क्यों? आज हकीकत है कि कांग्रेस कंपीटिशन मेंन तो चुनाव लडने की मशीनरी बनी है बल्कि चुनाव लडने की बेसिक्स भी छोड़ बैठी है। दूसरे शब्दों में किस तरह से उम्मीदवारों का चयन होता है, कैसे जमीनी मुद्दे उठाए जाते हैं, किस तरह से प्रदेशों में संगठन काम करता है, कैसे चुनाव अभियान समिति काम करती है,कैसे केंद्रीय टीम के साथ प्रदेश कमेटी के तालमेल होते है, चुनाव के बीच जमीनी स्तर पर क्या क्या तैयारियां होती हैं और कहां नेतृत्व को रणनीतिक लचीचापन दिखाना होता है और कहां सख्ती करनी होती है, जबकि ये सब ऐसी चीजें हैं, जो कांग्रेस और उसके नेताओं को सामान्य ज्ञान की तरह पता होनी चाहिए! इस बारे में किसी भी पार्टी को कुछ भी बताना पानी में मछली को तैरना सिखाने की तरह है। लेकिन अफसोस की बात है कि कांग्रेस संगठन चलाने, चुनाव लडने और लड़ कर सत्ता हासिल करने का बेसिक इंस्टिंक्ट भूल चुकी है।

हिंदी पट्टी के तीन राज्यों- राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस चुनाव हारी तो ईमानदारी से उसका विश्लेषण करने की बजाय कांग्रेस नेता तेलंगाना का वोट जोड़ कर कहने लगे कि कांग्रेस को भाजपा से 10 लाख वोट ज्यादा मिला है। हकीकत यह है कि इन तीन राज्यों में कांग्रेस को भाजपा से 50 लाख वोट कम मिला है। कांग्रेस को तीन लाख 98 हजार वोट मिला है तो भाजपा को चार करोड़ 51 लाख वोट मिला है। राजस्थान के नजदीकी मुकाबले को छोड़ दें तो दो राज्यों में कांग्रेस को निर्णायक हार मिली है। लेकिन अब कांग्रेस नेता इस टोटके की बात कर रहे हैं कि 2003 में इन राज्यों में कांग्रेस हारी थी तो 2004 में देश की सत्ता उसको मिल गई थी। ऐसी जब सोच है तो फिर भगवान ही मालिक है!

बहरहाल, अगर ईमानदारी से कांग्रेस इन तीन राज्यों में हार के कारणों की तलाश करती तो उसको पता चल जाता कि इन राज्यों में हार के बीज 2018 में ही पड़ गए थे। असल में कांग्रेस में इन दिनों केंद्रीय आलाकमान की तरह राज्यों में भी आलाकमान बनाने का चलन हो गया है। पहले कांग्रेस में एक ही आलाकमान होता था। लेकिन अब राज्यों में छोटे छोटे आलाकमान बना दिए गए हैं। राज्यों में एक ही नेता के हाथ में सब कुछ सौंप दिया जाता है और उसके फैसले पर सवाल नहीं उठाया जाता है। यह संगठन के कमजोर होने और जमीनी नेताओं के हाशिए पर जाने का कारण बना है। सोचें, जब 2018 में मध्य प्रदेश में कमलनाथ मुख्यमंत्री बने तो उन्हीं को प्रदेश अध्यक्ष क्यों बनाए रखा गया? ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चुनाव अभियान समिति के बतौर प्रमुख के नाते कितनी मेहनत की थी, क्या यह किसी से छिपा हुआ था? लेकिन उन्हें सरकार या संगठन में हिस्सेदार नहीं बनाया गया। जब वे लोकसभा चुनाव हार गए तो उन्हें 2020 में राज्यसभा जाने से भी रोकने का प्रयास हुआ, जिसका नतीजा यह हुआ कि 15 साल बाद मिली सत्ता कांग्रेस ने गंवा दी। इस बार चुनाव में ग्वालियर-चंबल संभाग के नतीजों से पता चल रहा है कि सिंधिया के होने या नहीं होने का क्या असर हुआ है।

बिल्कुल यही स्थिति राजस्थान की रही, जहां अशोक गहलोत के हाथ में सब कुछ सौंप दिया गया। सचिन पायलट बागी हुए तो उनके प्रति लचीलापन दिखाने की बजाय उनको सबक सिखाने का फैसला हुआ। सबको पता है कि 2018 के राजस्थान विधानसभा चुनावों से पहले प्रदेश अध्यक्ष के नाते पायलट ने कितनी मेहनत की थी। जाति का ही सही लेकिन एक वोट आधार बना था। इस बार के चुनावों में पूर्वी राजस्थान के नतीजों से पायलट की उपयोगिता का पता चल रहा है। अगर गहलोत अपने अहंकार और सर्वज्ञ होने की सोच में चुनाव नहीं लड़ते तो आज वे रिवाज बदल कर मुख्यमंत्री बनते। राज्य की 44 सीटें ऐसी हैं, जहां तीसरी पार्टी या निर्दलीय को हार-जीत के अंतर से ज्यादा वोट मिला है। ये सारी सीटें भाजपा ने जीती हैं और कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही है। गहलोत को भारतीय आदिवासी पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, आम आदमी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टियों को कुछ सीटें देकर उनसे तालमेल करना था। लेकिन या तो वे इस अहंकार में थे कि वे जीत जाएंगे या यह सोचा हुआ था कि कांग्रेस को हरवा कर जाना है। ऐसे में कांग्रेस आलाकमान का सार्थक हस्तक्षेप हो सकता था लेकिन दिल्ली में सब चुप रहे।

इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल आलाकमान बन गए और उनकी जैसे मर्जी हुई वैसे उन्होंने सरकार चलाई। एक समय मुख्यमंत्री पद के दावेदार रहे टीएस सिंहदेव, ताम्रध्वज साहू, चरणदास महंत जैसे नेताओं की कोई पूछ नहीं रही। चुनाव में भी कांग्रेस ने सब कुछ कमलनाथ, अशोक गहलोत और भूपेश बघेल के ऊपर छोड़ा था। इसके उलट भाजपा में सब कुछ नरेंद्र मोदी और अमित शाह के स्तर पर तय हो रहा था। हालांकि भाजपा के उम्मीदवारों की पहली सूची के बाद लगा की कुछ गलत हो रहा है तो तुरंत मोदी और शाह ने लचीलापन दिखाया और प्रदेश के क्षत्रपों को चुनावी प्रक्रिया में शामिल किया। क्या इस तरह का रणनीतिक लचीलापन कांग्रेस नेतृत्व नहीं दिखा सकता है? कांग्रेस आलाकमान यानी गांधी परिवार और मल्लिकार्जुन खड? ने सब कुछ प्रदेश नेताओं पर छोड़े रखा और प्रादेशिक क्षत्रपों के विरोधी नेताओं की कोई बात नहीं सुनी।

इसे लेकर तीन तरह की थ्योरी है। पहली तो यह कि प्रादेशिक स्तर पर कांग्रेस आलाकमान ने जिनको पूरी पार्टी आउटसोर्स की थी उन्होंने किसी तरह से दिल्ली में नेताओं का मुंह बंद कर रखा था। दूसरी थ्योरी यह है कि कांग्रेस आलाकमान इतना कमजोर हो गया है कि प्रादेशिक क्षत्रप अब उसके कंट्रोल में नहीं हैं और तीसरी थ्योरी यह है कि जो संसाधन जुटा रहा था उसके हाथ में सब कुछ सौंप दिया गया। कमलनाथ को जैसी बेहिसाब ताकत मिली या अशोक गहलोत ने पायलट मामले में या राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के समय जैसा आचरण किया और भूपेश बघेल ने टीएस सिंहदेव प्रकरण में जैसी राजनीति की वह कुल मिला कर आलाकमान की बांह मरोड़ने जैसा था। वैसे यह सिर्फ इन तीन राज्यों का मामला नहीं है। हरियाणा से लेकर कर्नाटक और तेलंगाना तक में कांग्रेस आलाकमान के हाथ बंधे दिखते हैं।

बहरहाल, जब चुनाव लडना भूल जाने की बात करते हैं तो उसमें कई चीजें शामिल होती हैं। चुनाव प्रचार और रैलियां उनमें से एक है। इसमें राहुल गांधी और प्रियंका गाधी वाड्रा या मल्लिकार्जुन खड? की मेहनत पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। लेकिन यह तो सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है। बड़ा हिस्सा चुनावी नैरेटिव बनाने और उसके हिसाब से आचरण करने, चुनाव की रणनीति बनाने और उस पर अमल करने और रणनीतिक समझौते करने का होता है। इन सभी कसौटियों पर कांग्रेस का केंद्रीय और प्रादेशिक आलाकमान दोनों बार-बार विफल साबित होते हुए है। सोचें, नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे शक्तिशाली नेता जरुरत पडने पर हनुमान बेनीवाल के लिए सीट छोड़ देते हैं कहीं आजसू के सुदेश महतो के लिए सीट छोड़ देते हैं, लोकसभा के साथ साथ राज्यसभा की सीट देकर भी लोक जनशक्ति पार्टी से समझौता करते हैं, शिव सेना तोडने वाले एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बना देते हैं, अपनी पार्टी में ही बगावत करने वाले या चुनौती देने या विरोधी माने जाने वाले येदियुरप्पा, शिवराज, वसुंधरा, रमन सिंह, उमा भारती आदि को पर्याप्त महत्व दे देते हैं। लेकिन कांग्रेस में ऐसा लचीलापन कोई नहीं दिखाता है।

ऐसे ही कांग्रेस जो विमर्श खड़ा करती है उसमें भी उसका आचरण अलग होता है। उसमें वॉक द टॉक वाली बात नहीं होती है। मिसाल के तौर पर राहुल गांधी ने जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया लेकिन कांग्रेस यह दावा नहीं कर सकती है कि उसके संगठन में पिछड़ी जाति के लोग आबादी के अनुपात में हैं। तीन मुख्यमंत्री जरूर कांग्रेस दिखा रही थी लेकिन वह तात्कालिक मामला था। इसके उलट भाजपा ने नरेंद्र मोदी के चेहरे, उनकी सरकार में शामिल पिछड़ी जातियों के मंत्रियों, ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने, विश्वकर्मा योजना, नवोदय व सैनिक स्कूलों और मेडिकल दाखिले में ओबीसी को आरक्षण देकर अपने को पिछड़ी जातियों में ज्यादा मजबूती से स्थापित किया है। इसी तरह राहुल गांधी एक तरफ अडानी पर हमला करते हैं तो दूसरी ओर उनकी राज्य सरकारें या प्रदेश के नेता अडानी की जय-जयकार करते हैं। राजस्थान में अडानी ने 50 हजार करोड़ रुपए के निवेश का वादा किया तो मुख्यमंत्री गहलोत उनके सामने बिछे थे तो केरल में अडानी के विझिंजम पोर्ट की शुरुआत हुई तो कांग्रेस के नेता इसका श्रेय लेने के लिए मारा-मारी कर रहे थे। हिंदुत्व के मुद्दे पर कांग्रेस अभी तय ही नहीं कर पाई है कि उसे क्या करना है। राहुल गांधी इस मामले में अलग लाइन पर चल रहे थे तो कमलनाथ, भूपेश बघेल की अलग लाइन थी। दूसरी ओर इस मामले में भाजपा की सोच और राजनीति में कोई अस्पष्टता नहीं है।

सो, न तो कांग्रेस के बनाए विमर्श में वैचारिक निरंतरता और एकरूपता दिखती है और न उसके राजनीतिक अभियानों में निरंतरता दिखती है। इसी तरह केंद्र से लेकर प्रदेश स्तर पर संगठन एडहॉक तरीके से काम कर रहा है। एक साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद अभी तक खड? ने अपना संगठन नहीं बनाया है। कई राज्यों में भी यही हालात हैं। पार्टी ने 2017 में तय किया था कि वह चुनाव प्रबंधन की एक आंतरिक कमेटी बनाएगी। लेकिन उस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई और हर जगह प्रादेशिक क्षत्रपों ने चुनाव लड़ाने की जिम्मेदारी मैनेजरों के ऊपर छोड़ दी। सबको पता है कि मैनेजरों के साथ पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और प्रदेश व केंद्र के बीच तालमेल नहीं बन सकता है। इस वजह से हर जगह कांग्रेस का प्रचार बिखरा दिखता है। उसमें समन्वय की कमी दिखती है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस हर बार यह सोच कर चुनाव लड़ती है कि अब बहुत हो गया इस बार तो भाजपा हार ही जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। पहले ऐसा होता होगा, लेकिन अब भाजपा बदल गई है। वह 24 घंटे राजनीति करने वाली मशीन है। उससे भी गलतियां होती हैं लेकिन वह तुरंत गलतियों में सुधार करती है। हर बार नए विमर्श खड़े करती है, जबकि कांग्रेस लूप में फंसी है। वह इंतजार में है कि देर-सबेर लोग उबेंगे, नाराज होंगे और भाजपा को हरा देंगे। हो सकता है कि वह समय भी आए लेकिन अभी निकट भविष्य में ऐसा होता नहीं दिख रहा है। निकट भविष्य में ऐसा हो इसके लिए कांग्रेस को सोशल मीडिया में नहीं, बल्कि जमीन पर लडना होगा, जमीनी सच्चाई का जनमन समझना होगा।

सू- दोकू क्र.031

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 30 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

नाक के सूखेपन से हो सकती है साइनस और माइग्रेन की समस्या, करें ये घरेलु उपाय

इंसान कई छोटी छोटी बिमारियों से परेशान रहता है। जैसे ज्यादा तेज गर्मी और बारिश के मौसम में नाक सूखने की समस्या होने लगती है। वैसे तो यह कोई बड़ी समस्या नहीं है, पर नाक का सूखा होने से कई बार सेहत से जुड़ी कई समस्याएं होने लगती हैं। नाक के सूखेपन के कारण आपको साइनस और माइग्रेन की समस्या भी हो सकती है। शरीर में पानी की कमी होने के कारण नाक के सूखेपन की समस्या हो सकती है। इसलिए रोजाना भरपूर मात्रा में पानी का सेवन करें। सूखी नाक की समस्या से छुटकारा पाने के लिए भाप भी ले सकते हैं। भाप लेने के लिए किसी बड़े बर्तन में गर्म पानी को लेकर अपना चेहरा उसके ऊपर ले जाए और अपने सिर को तौलिए से ढक कर लंबी लंबी सांसे लें। नारियल का तेल हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके इस्तेमाल से सूखी की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। नाक सूखने की समस्या को दूर करने के लिए अपनी नाक में नारियल के तेल की एक या दो बूँद डालें।

बैंक की रिसाईक्लर मशीन से 49 लाख रूपये चोरी करने पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। बैंक की रिसाईक्लर मशीन से 49 लाख 88 हजार रूपये चोरी करने के मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीएमएस इन्फोसिस सिस्टम के शाखा प्रबन्धक सुधाकर ढौडियाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी कम्पनी सीएमएस इन्फोसिस सिस्टम लि. विभिन्न बैंको के एटीएम व रिसाईक्लर में पैसा निकालने व जमा करने का काम करती है। रूट 02 के अन्तर्गत आने वाले एटीएम/ रिसाईक्लर में पैसा जमा करने व निकालने की जिम्मेदारी कस्टोडियन परवीन मौर्य पुत्र गयादीन मौर्य निवासी ग्राम भेदपुर, थाना भदोखर रायबरेली, शिवम पुत्र जगबहादुर सिंह निवासी ग्राम जनसेरा सनई, थाना भदोखर रायबरेली, गौरव कुमार पुत्र विनोद प्रकाश ग्राम देल धेल चौड़ी, जिला पौड़ी गढ़वाल, रिषभ कनौजिया पुत्र छोटे लाल, निवासी ब्लाक नेहरू कॉलोनी की थी। उक्त चारों आरोपियों की मित्रता मनोज यादव पुत्र राम सेवक निवासी सीओडी कॉलोनी पीएसी बाईपास कानपुर नगर, अंकित यादव पुत्र शत्रुधन लाल यादव निवासी पूरेधनऊ थाना द्रीह जिला रायबरेली, अजय प्रताप सिंह पुत्र हरि शंकर सिंह निवासी पुरेबेसन मजरे उमरी थाना जगतपुर रायबरेली से थी। उपरोक्त सभी व्यक्ति आपस में मिलते जुलते रहते थे और इन्होने संगठित गिरोह बनाकर आपराधिक षडयंत्र करके अनुचित लाभ प्राप्त करने हेतु 02 अगस्त 2023, 16 अगस्त 2023, 14 सितम्बर 2023, 04 अक्टूबर 2023 एवं 23 अक्टूबर 2023 को 49,88,400 रूपये बैंक ऑफ बडौदा पटेलनगर, थाना पटेलनगर, देहरादून के रिसाईक्लर मशीन से चोरी करके गबन कर लिया। उपरोक्त सभी व्यक्तियों को चोरी करते हुए तथा इसकी सम्पूर्ण गतिविधियों को बैंक में लगे कैमरों में कैद कर लिया गया, जिसमे इनकी पहचान साफ-साफ दिखाई दे रही है। उपरोक्त सम्बन्ध मे कम्पनी द्वारा की गई आंतरिक जांच की विस्तृत रिपोर्ट अलग से दी जा रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

संसद में चूक पर कांग्रेसियों ने फूंका सरकार का पुतला

संवाददाता

देहरादून। संसद में चूक के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर सरकार का पुतला फूंका। आज व्यापार प्रकोष्ठ के व्यापारियों और पूर्व विधायक राजकुमार, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के नेतृत्व में व्यापारी डिस्पेंसरी रोड

पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर सरकार का पुतला फूंका। उनका कहना था कि संसद में चूक होने पर कानून व्यवस्था पर उठाये सवाल की सांसद जैसी जगह सेफ नहीं है क्योंकि वहां पर अंदर जाने से पहले पास बांटे जाते हैं और सिक्योरिटी बहुत टाइट होती है उसके बाद भी पांच युवक और एक युवती संसद भवन में हंगामा करती है और युवक पूरे संसद में धूंआ फैला देते हैं जिससे सब सांसद की जान को भी खतरा बन गया था। इसके लिए हम सब व्यापारी अमित शाह के इस्तीफे मांग करते हैं जब संसद सुरक्षित नहीं है तो एक आम आदमी कैसे देश में सुरक्षित रहेगा। व्यापारी अनूप कपूर, राहुल शर्मा, नागेश रतूड़ी, जहांगीर, राम कपूर, दिनेश गुप्ता, अजीत सिंह, सुरेश गुप्ता, हिमांशु खुराना आमिर खान, भूपेंद्र वाधवा, राजेंद्र सिंह, चमन लाल, मनोज कुमार, हाजी मोहम्मद वसीम, भूरा, इमरान, चरण सचदेवा, विशाल खेड़ा आदि शामिल थे।

कार चोरी का खुलासा, डिप्टी जेलर...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

का दिन जगह समय सब यश कुमार द्वारा ही बताया गया था उस दिन यश कुमार हुड्डा भी हमारे साथ हरिद्वार आये थे गाड़ी सुमित राणा चला कर लाया था जिसने वह गाड़ी फ्लोरा होटल भगवानपुर के पास खड़ी की और होटल के अंदर चले गए उसके बाद रात्रि मे मेरे द्वारा कार की दूसरी चाबी से गाड़ी को खोलकर होटल की पार्किंग से हरियाणा ले जाया गया था और अगले दिन पवन कुमार जो यश कुमार के साले हैं उन्होंने थाना भगवानपुर में उक्त कार चोरी हो जाने का मुकदमा लिखवा दिया था। विवेचना से प्रकाश मे आया कि डिप्टी जेलर सैन्ट्रल जेल अम्बाला यश कुमार हुड्डा द्वारा अपनी कार जो उनसे कहीं गायब हो गई थी का मोटर वाहन इश्योरेंश क्लैम प्राप्त करने हेतु अपनी कार से समानता रखने वाली एक अन्य कार जो डिप्टी जेलर जिला जेल भिवानी हरियाणा अजय कुमार बलहारा पुत्र बिजेन्द्र कुमारन निवासी रोहतक के नाम पर पंजीकृत है पर अपनी गाडी की कूटरचित नम्बर प्लेट लगाकर मिथ्या सम्पत्ति चिन्ह का उपयोग कर वाहन बीमा प्राप्त करने हेतु एक आपराधि क षडयंत्र के तहत सामुहिक रुप से आपराधिक घटना को अंजाम दिया गया है। इस पर पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर यश हुड्डा पुत्र मोहिन्दर सिंह निवासी ऑफिसर कालोनी जिला जेल स्योरन रोहतक हरियाणा व परविन्दर चहल पुत्र माह सिंह निवासी गंगाणा थाना बरोदा जिला सोनीपत हरियाणा के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंतदीप पार्किंग के विकास में लघु व्यापारियों को सम्मलित करें: चोपडा

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापारी एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपडा ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर पंतदीप पार्किंग में सरकार के निर्देशन में किया जा रहे विकास के मानचित्र में स्थानीय कारोबारी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को सम्मलित कर उचित स्थान के साथ वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की मांग को प्रमुखता से दोहराया।

आज यहां उत्तराखंड शासन द्वारा जिला अधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल को हरिद्वार नगर निगम प्रशासक नियुक्त होने के प्रथम बार रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के सामूहिक संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने नगर निगम क्षेत्र के स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ नगर निगम के प्रशासक जिला अधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल से कुंभ मेला कार्यालय में मुलाकात कर पंतदीप पार्किंग में सरकार के निर्देशन में किया जा रहे विकास के मानचित्र में स्थानीय कारोबारी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को सम्मलित कर उचित स्थान के साथ वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की मांग को प्रमुखता से दोहराया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा पूर्व वर्ष 2012 में तत्कालीन जिलाधिकारी सचिन कुर्वे द्वारा प्रशासक के रूप में नगर निगम के समस्त क्षेत्र में सर्वे कराकर 15 वेंडिंग जोन चिन्हित किए गए थे चिन्हित किए गए सभी वेंडिंग जोन में से तीन वेंडिंग जोन बनाए जा चुके हैं। चौथा वेंडिंग जोन सेक्टर 2 बैरियर से भगत सिंह चौक तक का कार्य प्रचलन में है।

उन्होंने कहा नगर निगम का क्षेत्रफल का विस्तार किया जा चुका है लेकिन नए वेंडिंग जोन भी चिन्हित किए जाने चाहिए पंतदीप पार्किंग रोड़ी बेल वाला, धोबी घाट, सर्वानंद घाट सहित रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, नया मेडिकल कॉलेज, ज्वालापुर मंडी के सामने भल्ला कॉलेज स्टेडियम ऋषिकुल इत्यादि आबादी के क्षेत्र में रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को छोटे-छोटे वेंडिंग जोन के रूप में अलग से पहचान बनाकर प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना के तहत केंद्र और राज्य सरकार के संरक्षण में व्यवस्थित व स्थापित किया जाना न्याय पूर्ण होगा। जिला अधिकारी नगर निगम के प्रशासक धीराज सिंह गर्ब्याल रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को आश्वसित करते हुए कहा सरकार के निर्देश में उत्तराखंड शासन नगरीय फेरी नीति नियमावली की समीक्षा कर विकास की योजनाओं में रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को भी सम्मलित कर उचित कार्रवाई की जाएगी। जिला अधिकारी नगर निगम प्रशासक धीराज सिंह गर्ब्याल से मिलकर अपनी 5 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपते लघु व्यापारियों में जिला अध्यक्ष राजकुमार एंथोनी, मिथुन अरोड़ा, पवन अरोड़ा, महेश कुमार, मनोज, रामवीर, चमन सिंह, सूरज कुमार, सोनू, नंदकिशोर, विक्रम, शेखर चौधरी, सूरज, अनूप सिंह, अनुज, बाबूराम दुर्गा, देवी सावित्री, सुनीता चौहान, मंजू पाल, सुमन आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

बैंक से छुट्टी लेकर निकले कर्मचारी का संदिग्ध हालत में मिला शव

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी स्थित बैंक से छुट्टी लेकर पीलिया झड़ाने निकले दून निवासी बैंक कर्मी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव ट्रंचिंग ग्राउंड के पास मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आमवाला देहरादून निवासी राजन थापा उम्र 47 वर्ष नैनीताल डिस्ट्रिक को-ऑपरेटिव बैंक में सिक्योरिटी गार्ड था। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से उसे पीलिया की शिकायत थी और किसी ने उसे बताया था कि गौलापार में पीलिया झाड़ने वाला है। बुधवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे उसने बैंक से कुछ देर की छुट्टी ली थी।

बैंक में बताया था कि वह गौलापार पीलिया झड़ाने जा रहा है। स्कूटी से निकला राजन वापस नहीं लौटा। कुछ लोगों ने उसे ट्रंचिंग ग्राउंड के पास पड़ा देखा तो सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने उसे एसटीएच भेजा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पिता का दोस्त बनकर ठगे 90 हजार रूपये

संवाददाता

देहरादून। पिता का दोस्त बनकर 90 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महन्त रोड लक्ष्मण चौक निवासी अकांक्षा देवरानी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 23 नवम्बर 2023 को उसके मोबाइल पर किसी अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया जिसने अपना परिचय देते हुए बताया कि वह अनिल शर्मा बोल रहा है और वह उसके पिता का अच्छा दोस्त और सहकर्मी अध्यापक है। उसने कहा की उसे उसके पिता के 2500 रूपये देने है जिसे उसके पिता ने उनके मोबाईल फोन मे नेटवर्क ना आने के कारण उसका मोबाइल नम्बर पर ऑनलाइन पेमैन्ट करने हेतु बोला है। थोड़ी देर बाद उसको उसी मोबाईल नम्बर से कॉल आया और उसने कहा कि उसने उसके पिता को 2500 रूपये भेजने थे, जिसमें उसके द्वारा गलती से उसको 25,000 रूपये भेज दिये गये हैं तो आप उसको वह पैंसे वापिस कर दिजिए। 25,000 रूपये प्राप्त होने का मैसेज भी उसके मोबाईल पर प्राप्त हो गया, और उसने उनकी बात का विश्वास करते हुए उनके द्वारा बतायी गई यूपीआई आईडी में उनके कहने पर पहले 10,000 रूपये, फिर 12,500 रूपये, भेज दिये। इसके बाद पुन: कॉल कर उन्होंने कहा कि उनके पैंसे उनके खाते में रिवर्स हो गये हैं और वापिस उसके खाते में आ गये हैं और उसको दोबारा पैंसे भेजने को कहा गया। उसने मोबाईल चैक किया तो उसको पुन: 22,500 रूपये प्राप्त होने का मैसेज प्राप्त हुआ था। जिसके बाद उसने फिर से 12,500 रूपये भेजे फिर उन्होंने उसको नोर्मल मैसेज किया जिसमें लिखा था कि पेमैन्ट रिवर्स हुई है और कॉल करके कहा कि फिर से पेमैन्ट रिवर्स हो गई है और आप अब उसको 20,000 रूपये भेज दिजिए, जिसके बाद उसने 20,000 रूपये उन्हें भेज दिए, जिसमें उन्होंने बार बार रिवर्स का बोलकर उससे और पेमेन्ट करवाई जिसमें उसने उन्हें 2,500 रू, 5,000 रू0, 5,000 रू0 और फिर 12,500 रू0 उन्हें भेज दिये जिसमें उसने उन्हें टोटल 90,000 रूपये उनके द्वारा बताये गयी यूपीआई आईडी पर भेज दिये। जब उसने अपने पिता को इस बारे में बताया तो उन्होंने उसको बताया कि उन्होंने किसी अनिल शर्मा को मोबाईल नम्बर नहीं दिया है, और जब उसने अपना मोबाईल चैक किया तो देखा कि खाते में पैसे प्राप्त होने के मैसेज उसको बैंक से नहीं आये थे। जिससे उसको विश्वास हो गया कि यह व्यक्ति उसके पिता का सहकर्मी नहीं है और उसके साथ किसी साईबर ठग ने उसके पिता का दोस्त अनिल शर्मा बनकर 90,000 रूपये की साईबर ठगी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

समान नागरिक संहिता लाने के लिए सरकार अडिग है, हम पीछे नहीं हटेंगे: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर भारत सरकार और भाजपा का स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि केंद्र सरकार इसे लाने के लिए प्रतिबद्ध है। एक समाचार चैनल के कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा, समान नागरिक संहिता एक बहुत बड़ा सामाजिक और लीगल परिवर्तन है, इस पर सभी की राय चाहिए। भाजपा, नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में समान नागरिक संहिता लाने के लिए अडिग है और इस पर हम पीछे नहीं हटेंगे। अमित शाह ने कहा कि पीओके भारत का एक हिस्सा है और इस पर पाकिस्तान का अनधिकृत कब्जा है। इस मामले पर कांग्रेस को घेरते हुए अमित शाह ने कहा, देश ने सबसे बड़ा हिस्सा राहुल गांधी के परनाना के समय में गंवाया और कांग्रेस की नीतियों के कारण गंवाया। कांग्रेस पार्टी किसी भी लिहाज से भाजपा व नरेन्द्र मोदी सरकार को देश की सुरक्षा को लेकर सलाह देने की स्थिति में ही नहीं है। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बनाए गए विपक्षी गठबंधन के बारे में अमित शाह ने कहा, इंडी अलायंस है कहां? मीडिया की स्क्रीन के अलावा कहीं इंडी अलायंस नहीं है। इस देश की जनता ने ढेर सारे अलायंस देखे हैं। जो राजनीतिक स्वार्थ के कारण, चुनाव के वक्त, विचारधारा की समानता के बगैर किए गए हैं। देश की जनता बहुत परिपक्व है और इनके स्वार्थ को पहचानती है।

शाहरुख खान ने बेटी सुहाना के साथ शिरडी में साईं बाबा के दर्शन किए

शिरडी। बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म डंकी को लेकर खूब सुर्खियों में है। फिल्म की रिलीज से पहले शाहरुख ने बेटी सुहाना खान के साथ महाराष्ट्र के शिरडी में शिरडी साईं बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना की है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि शाहरुख खान अपनी बेटी सुहाना खान के साथ चादर चढ़ाते है। इस दौरान अभिनेता भक्ति में डूबे नजर आए। बता दें कि इससे पहले एक्टर माता वैष्णों देवी के दरबार में माथा टेकने गए थे। बता दें कि अपकमिंग फिल्म डंकी शाहरुख खान की तीसरी फिल्म है, जो इस साल रिलीज होने जा रही है। साल के शुरू में किंग खान की पठान ने अपना जलवा दिखाया और इसके बाद एक्टर की फिल्म जवान ने जमकर बॉक्स ऑफिस लूटा। वहीं, अब देखने वाली बात होगी कि शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म श्डंकीश क्या कमाल करेगी?

मुख्यमंत्री की कुर्सी से उतर ट्रैक्टर पर हुए सवार शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में नई सरकार के गठन और नए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के पदभार ग्रहण के बाद प्रदेश के पूर्व मुखिया यानी शिवराज सिंह चौहान का अब नया अवतार सामने आया हैं। जहां वे खेतों में ट्रैक्टर चलाते नजर आ रहे है। ये सिर्फ दिखावे के लिए नहीं बल्कि पूर्व सीएम ने अपने गृह ग्राम स्थित खेत में चने की फसल के लिए बुआई कर रहे है। एक दिन पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज ने कहा था मित्रो अब विदा... जस की तस धर दीनी चदरिया, यह कबीर दास जी का दोहा है। वे कहते हैं,दास कबीर जतन करि ओढ़ी,कीं त्यों धर दीनी चदरिया। यानी बनाने वाले ने बड़े जतन और बड़े होश से इस शरीर को बनाया है। इसलिए इसको तुम जितना जाग कर जीयोगे,उतने ही बारीक और सूक्ष्म जीवन का अनुभव कर पाओगे। जितना सूक्ष्म अनुभव करोगे, उतना ही ज्यादा जागोगे। पूर्व सीएम शिवराज अब सीधे खेतों में चने की बुआई करने पहुंच गए । संदेश साफ है दिल्ली नहीं जाउंगा किसान पुत्र हूँ खेती करूंगा। वही पूर्व सीएम शिवराज ने अपने एक्स हैंडल पर भी भाई और मामा लिख दिया है। मतलब इशारा साफ है, एमपी में मामा मैजिक ही चलेगा । हालांकि इंतजार इस बात का भी है कि केंद्रीय नेतृत्व पूर्व सीएम शिवराज की क्या भूमिका तय करता है। लेकिन पूर्व सीएम ने इशारों इशारों में ही सही चने की फसल बुआई कर केंद्रीय नेतृत्व को नाकों चने चबाने पर मजबूर कर दिया हैं। क्योंकि आगामी समय में लोकसभा चुनाव है और एमपी में पूर्व सीएम शिवराज की तरह जनता से सीधे कनेक्ट होने वाला कोई बड़ा नेता नहीं है ।

एसटीएफ ने पांच साल से फरार हत्या के आरोपी को किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने पांच साल से फरार 50 हजार के ईनामी हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि एक व्यक्ति की हत्या के प्रकरण में थाना रानीपुर जनपद हरिद्वार में दर्ज मुकदमें में कुख्यात अपराधी बलबीर सिंह पुत्र श्रवण गिरी मूल निवासी ग्राम चिड़ियापुर थाना लक्सर हरिद्वार हाल लेबर कालोनी सैक्टर-2 बीएचईएल रानीपुर हरिद्वार की धरपकड़ हेतु उत्तराखंड एसटीएफ द्वारा प्रयास किये जा रहे थे, जिसके फलस्वरुप उत्तराखण्ड एसटीएफ टीम द्वारा पिछले 5 वर्षो से वांछित कुख्यात ईनामी हत्यारे बलबीर सिंह को देर रात हरिद्वार के रानीपुर मोड के पास से गिरफ्तार किया गया।

उपरोक्त प्रकरण के सम्बन्ध में एसएसपी एसटीएफ द्वारा बताया कि लेबर कालोनी रानीपुर हरिद्वार में 10 अगस्त 2018 को एक युवती के साथ तीन व्यक्तियों द्वारा छेड़छाड़ की गयी थी जिसका विरोध उसके भाई हेमन्त द्वारा किया गया तो तीनों वीर सिंह, बलवीर एवं विरेन्द्र द्वारा हेमन्त के साथ मारपीट कर उसके सिर पर चोट मारकर हत्या कर दी गयी व एवं तीनो अपराधी मौके से फरार हो गये थे। जिसमे से हरिद्वार पुलिस द्वारा एक आरोपी वीरेन्द्र को उसी समय गिरफ्तार कर लिया गया था, परन्तु इस घटना में शामिल अन्य 2 आरोपी वीर सिंह व बलबीर सिंह तब से लगातार फरार चल रहे थे। जिन पर 50-50 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया था। ये दोनो ईनामी हत्यारे एसटीएफ की रडार पर थे, जिनकी गिरफ्तारी को लेकर एसटीएफ लगातार प्रयास कर रही थी। जिसके फलस्वरुप स्पेशल टास्क फोर्स उत्तराखंड द्वारा 31 नवम्बर 2023 को वीर सिंह की गिरफ्तारी रामजीवाला छकड़ा थाना मण्डावर जनपद बिजनौर से कि गई थी। इसकी गिरफ्तारी के पश्चात इसी मामले मे अन्य 50 हजार रूपये के फरार इनामी बलबीर को लेकर एसटीएफ को महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी जिस पर एसटीएफ लगातार कार्य कर रही थी इस आरोपी के बारे में सूचना मिली कि ये अपराधी कुछ दिन पहले से रानीपुर मोड हरिद्वार स्थित न्यू पंजाब ढाबा पर तंदूर का कार्य कर रहा है इस सूचना पर एसटीएफ द्वारा देर रात रानीपुर मोड हरिद्वार स्थित न्यू पंजाब ढाबा पर दबिश मार कर गिरफ्तार कर लिया आरोपी ने पूछताछ मे बताया कि घटना के बाद से ही यह वह राजस्थान चला गया था फिर वह दिल्ली व हरियाणा मे काफी दिनों तक अपनी पहचान छिपा कर अलग-अलग होटलों मे तंदूर का काम करता रहा कुछ दिन पहले रानीपुर मोड स्थित न्यू पंजाब ढाबे पर तंदूर का काम करने के लिए हरिद्वार आ गया था। स्पेशल टास्क फोर्स ने इस प्रकरण मे फरार दोनों 50-50 हजार इनामी अपराधियों को पकड़ने मे विशेष रणनीति अपनाई गई क्योंकि दोनों ही अपराधी खानाबदोश किस्म के थे, इनका कोई स्थानी पता न होने के कारण गिरफ्तारी कर पाना बहुत कठिन हो रहा था साथ ही दोनों ही अपराधी किसी प्रकार से मोबाईल फोन का प्रयोग नहीं करते थे और अपने घरवालों के संपर्क मे भी नहीं रहते थे। आरोपियों कि गिरफ्तारी पूर्णत मैनुवली सूचना पर सम्भव हो पायी है।

सरदार पटेल हमारे आदर्श एवं प्रेरणास्रोतः जोशी

हमारे संवाददाता

देहरादून। स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री स्व. बल्लभ भाई पटेल की पुण्य तिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये गए। उन्हे श्रद्धांजलि देते हुये कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव महेश जोशी ने कहा कि सरदार पटेल कुशल राजनीतिज्ञ थे। उनका व्यक्तित्व एवं बौद्धिक क्षमता से प्रभावित होकर उन्हे सरदार के रूप में लोकप्रियता मिली। 1947 भारत पाक युद्ध के दौरान गृहमंत्री के रूप में कार्य किया। स्वतंत्रता के आंदोलन में उनकी अग्रणी भूमिका रही। राष्ट्र के प्रति उनकी सोच और कुशल नेतृत्व क्षमता के चलते उन्होने भारतीयों पर अमिट छाप छोड़ी जिसके लिए उन्हे आज भी याद किया जाता है।

टायर की दुकान में लगी आग, सारा सामान जलकर हुआ खाक

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दिल्ली रोड स्थित मोहनपुरा में सड़क किनारे रखे एक टायर के खोखे में अचानक आग लगने से अफरा तफरी फैल गयी। आग के कारण हजारों रुपए के टायर जलकर राख हो गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने बामुश्किल आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार आज अल सुबह कंट्रोल रूम रुड़की द्वारा फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई कि दिल्ली रोड मोहनपुरा में एक दुकान में भयंकर आग लगी हुई है। सूचना मिलते ही फायर यूनिट रुड़की तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुंच कर देखा तो मोहनपुरा में सड़क किनारे एक टायर के खोखे में भयंकर आग लगी हुई थी। फायर यूनिट द्वारा तुरंत मोटर फायर इंजन से होज पाइप फैलाकर पंपिंग कर उक्त आग को बुझाना शुरू किया एवं थोड़ी ही देर में आग पर काबू कर लिया गया एवं आग को आसपास की दुकानों एवं आवासीय बस्ती की ओर बढ़ने से रोक लिया गया। आग से दुकान में रखे काफी सारे टायर आदि अन्य सामान जल गया है अन्य कोई जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। खोखा स्वामी सलीम पुत्र अब्दुल हक निवासी मोहम्मदपुर थाना मंगलौर स्वयं मौके पर ही मौजूद था। फायर विभाग की टीम में लीडिंग फायरमैन अतर सिंह राणा, चालक विपिन सिंह तोमर, फायरमैन प्रमोद लाल, फायरमैन हरिश्चंद्र राणा शामिल रहे।

इंस्टाग्राम पर छात्रा के गन्दे फोटो डालने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। इंस्टाग्राम व व्हटसएप पर छात्रा के गन्दे-गन्दे फोटो अपलोड करने के मामले में पुलिस ने एक महिला सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार निवासी व्यक्ति ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सौरभ उर्फ सनी, हेमा कुमारी, अमरजीत व वैलीराम के द्वारा उसकी बेटी के स्कूल के दोस्तों के इंस्टाग्राम व व्हटसएप पर गन्दे-गन्दे फोटो अपलोड कर उसको धमकी दे रहे हैं। जिससे उसकी बेटी मानसिक रूप से परेशान है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

युवती से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। होटल में ले जाकर युवती से दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला निवासी युवती ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान माजरी लालतप्पड निवासी जीतू कुमार पुत्र सतपाल सिंह के साथ हुई। जीतू उसको बहाने से लालतप्पड के एक होटल में ले गया जहां पर उसने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। उसने उसको किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।